hindustantimes

Publication	Hindustan Times
Language/Frequency	English/Daily
Page No	04
Date	4th Aug 2019

CHECKMATE

City girl ranks second in U-16 chess

International chess player Tanishka Kotia. She travelled across Serbia for close to a month in July, playing three open tournaments in Paracin, Silver Lake and Nis. PARVEEN KUMAR/HT PHOTO

Sharanya Munsi
sharanya.munsi@hindustantimes.com

GURUGRAM: City girl Tanishka Kotia ranks second in the country in the under-16 category, according to the World Chess Federation that released its latest rankings on August 1, a feat she accomplished after earning over 300 points in three back-to-back world open tournaments in Serbia in July.

Kotia had travelled across Serbia for close to a month, playing three open tournaments in Paracin, Silver Lake and Nis. She played 27 rounds in total against several title-holding international players. She now ranks fifth in Asia and 19 in the world. She is the only chess player from the state to have made it to the top three in India in this category.

Kotia has been playing chess since the age of three. Her early start had landed her in the Limca Book of Records for being the youngest chess player in 2008. In 2014, she won silver at the Commonwealth Chess Championship in Scotland. In 2013, she won gold at the ASEAN chess championship, which made her a Woman FIDE Master. She has previously participated in tournaments in Indonesia, Brazil, Thailand, Vietnam, Scotland, Czech Republic and France.

For the 15-year-old student of Suncity School, striking a balance between studies and chess is crucial. She says she devotes one-and-a-half to two hours every day for chess practice.

"When exams are close, I lessen my time for chess but that is just for one or two days before the exam. Chess is like addiction, I can't live a day without it," she says, as her cupboard full of silver and gold trophies shines in the background in her Sector 30 living room.

Kotia's next stop is the Junior World Championship in October in India. "I have got new books and am trying to master new techniques, so it is a lot of work till the championship," she says. At the championship, she will compete against players across the world in 11 rounds.

Kotia started taking interest in chess because of her father, Ajit Kotia, who played the game at the college level. He then introduced her to the game and continues to be her mentor, though she has been receiving training from professional coaches.

Kotia is not associated with any chess federation or club. Her travel expense for tournaments is funded by her family or, sometimes, by her school, says her father. Her mother and sister had accompanied her through Serbia in July.

"Around the world, there are over 150 chess-playing nations and just 10-15 cricket-playing ones, yet there are more sponsors for cricket than chess," says Ajit. He adds that Kotia initially received corporate sponsors, but is now without any.

For Kotia though, playing the game is all that matters, so that one day she can become a grandmaster like her idol, Vishwanathan Anand.

Publication	The Statesman
Language/Frequency	English/Daily
Page No	15
Date	4th Aug 2019

The Statesman

Gurugram`s Tanishka Kotia becomes the 5th Asia rank holder in Chess U-16 category: Tanishka Kotia, an 11th Grade student at Suncity School, Gurugram recently played marvelously in an open tri-series in Serbia defeating number of IM and WIM and reached to the top of boards. She added 300+ Elo points and moved from 1900 to 2200 in one month. Adding to her bag of achievements, Tanishka has secured 2nd All India Rank and 5th in Asia rank in U-16 category by Fédération internationale des Échecs (FIDE) or World Chess Federation rankings. She has also made it to the Top 20 international chess players securing 19th position.

Publication	Hindustan
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	02
Date	4th Aug 2019

हिन्दुस्तान

तनिष्का को 5वीं एशियाई रैंक मिली

गुरुग्राम | कार्यालय संवाददाता

सनसिटी स्कूल की 11 वीं कक्षा की छात्रा तनिष्का कोटिया ने हाल ही में सर्बिया में एक त्रिकोणीय श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन करते हुए आईएम और डब्ल्यूआईएम स्तर के खिलाड़ियों को पराजित किया। उन्होंने अपने स्कोर में 30+ अंक जोड़ते हुए एक महीने में ही उसे 1900 से 2200 तक पहुंचा दिया।

तनिष्का ने अंडर-16 में दूसरी अखिल भारतीय रैंक और वर्ल्ड चेस फेडरेशन रैंकिंग में 5वीं एशियाई रैंक हासिल की है। उन्होंने शीर्ष 20 अंतरराष्ट्रीय शतरंज खिलाड़ियों में भी 19 वां स्थान हासिल किया है।

किशोर छात्रों के लिए प्रेरणास्त्रोत रही तनिष्का ने एशियाई और राष्ट्रमंडल खेलों में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया है। 2014 में स्कॉटलैंड में कॉमनवेल्थ शतरंज चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीता था। तनिष्का ने 3 साल की उम्र से ही शतरंज खेलना शुरू कर दिया था। उसने अपना पहला पेशेवर टूर्नामेंट सबसे कम उम्र में जीतकर अपना नाम लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड 2008 में दर्ज करवाया था। उसे 2013 में 'वुमन एफआईडीई मास्टर' के खिताब से भी सम्मानित किया गया था। इस खिताब को जीतने वाली वह हरियाणा की एकमात्र खिलाड़ी हैं।सनसिटी स्कूल की निदेशक रुपा चक्रवर्ती ने बधाई दी।

गुरुग्राम की तनिष्का कोटिया ने शतरंज के अंडर-16 वर्ग में 5वीं एशियाई रैंक हासिल की।

Publication	Navbharat Times
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	01
Date	4th Aug 2019

NBT
नवभारत टाइम्स

चेस में तनिष्का को 5वीं रैंक

■ एनबीटी न्यूज, गुड़गांव :

सनसिटी स्कूल में पढ़ने वाली 11वीं की छात्रा तनिष्का कोटिया ने सर्बिया में आयोजित वर्ल्ड चेस फेडरेशन में 5वीं रैंक हासिल की। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय शतरंज के 20 खिलाड़ियों में 19वां स्थान हासिल किया। इससे पहले वह 2014 में स्कॉटलैंड में आयोजित कॉमनवेल्थ शतरंज चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीत चुकी हैं। सनसिटी स्कूल की निदेशक रूपा चक्रवर्ती ने कहा कि छोटी उम्र से ही कनिष्का ने लोगों को अपने खेल की तरफ आकर्षित किया है।

Publication	Amar Ujala
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	03
Date	4th Aug 2019

अमर उजाला

तनिष्का ने शतरंज में 5 वीं रैंक हासिल की

गुरुग्राम। सनसिटी स्कूल की 11 वीं कक्षा की छात्रा तनिष्का कोटिया ने हाल ही में सर्बिया में एक त्रिकोणीय श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन करते हुए आईएम और डब्ल्यूआईएम स्तर के खिलाड़ियों को पराजित कर स्कोर बोर्ड पर शीर्ष स्थान पर पहुंच गईं। अपनी उपलब्धियों में नए आयाम जोड़ते हुए तनिष्का ने अंडर-16 में दूसरी अखिल भारतीय रैंक और एशियाड इंटरनेशनल डेस इचेस (एफआईडीई) में 5 वीं रैंक हासिल की है। उन्होंने शीर्ष 20 अंतरराष्ट्रीय शतरंज खिलाड़ियों में भी 19 वां स्थान हासिल किया है। तनिष्का ने एशियाई और राष्ट्रमंडल खेलों में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया है। सनसिटी स्कूल की निदेशक रुपा चक्रवर्ती ने कहा कि छोटी उम्र से ही उसने लोगों को अपने खेल की तरफ आकर्षित किया है। तनिष्का के पिता अजीत कोटिया ने कहा, कि हम तनिष्का की उपलब्धियों से बहुत खुश हैं और गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। ब्यूरो

Publication	Pioneer
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	04
Date	4th Aug 2019

पायनियर

शतरंज की बिसात पर गुरुग्राम की तनिष्का का एशिया में डंका

तनिष्का वर्तमान में अंडर-16 में भारत में दूसरी राष्ट्रीय रैंक पर हैं काबिज

विश्व में 19वीं रैंक पर है तनिष्का

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

खेल चाहे कोई भी हो, हरियाणा की बेटियां झंडे गाड़ती ही हैं। इस बार एक बेटी ने शतरंज के खेल में अपना और देश का नाम रोशन किया है। शतरंज में उसने पांचवीं एशियाई रैंक हासिल की है। जो कि अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। वह महिला वर्ग के अंडर-16 में खेलती है और इससे पूर्व उसकी रैंकिंग 26वीं थी।

तनिष्का कोटिया।

हम बात कर रहे हैं गुरुग्राम की तनिष्का कोटिया की, जिसने शतरंज के खेल में खुद को बेहतर साबित करते हुये देश-दुनिया में भारत का नाम रोशन किया है। तनिष्का भारत देश में दूसरी रैंकिंग पर है और विश्व की बात करें तो वह 19वीं रैंकिंग पर है।

तनिष्का को शतरंज में 5वीं एशियाई रैंक हासिल

महिला वर्ग के अंडर-16 में 26वीं रैंक से सीधे पहुंची पांचवीं रैंक पर

यहां के सनसिटी स्कूल में 11वीं कक्षा की छात्रा तनिष्का हाल ही में सर्बिया में एक त्रिकोणीय श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन करते हुये आईएम और डब्ल्यूएआईएम स्तर के खिलाड़ियों को शिकस्त देकर स्कोर बोर्ड पर शीर्ष स्थान हासिल किया।

तनिष्का ने अपने स्कोर में 300 प्लस अंक जोड़ते हुए एक महीने में ही उसे 1900 से 2200 तक पहुंचा दिया। तनिष्का ने अंडर-16 में दूसरी अखिल भारतीय रैंक और एशियाड इंटरनेशनल डेस इचेस (एफआईडीई) या वर्ल्ड चेस फेडरेशन रैंकिंग में 5वीं रैंक हासिल की है। उन्होंने शीर्ष 20 अंतरराष्ट्रीय शतरंज खिलाड़ियों में भी 19वां स्थान हासिल किया है।

एशियाई व राष्ट्रमंडल खेलों का भी किया प्रतिनिधित्व

किशोर छात्रों के लिए प्रेरणा स्रोत रहीं तनिष्का ने एशियाई और राष्ट्रमंडल खेलों में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया है। वर्ष-2014 में स्कॉटलैंड में कॉमनवेल्थ शतरंज चैंपियनशिप में तनिष्का ने सिल्वर मेडल जीता था। तनिष्का ने तीन साल की उम्र से ही शतरंज खेलना शुरू कर दिया था। उसने अपना पहला पेशेवर टूर्नामेंट सबसे कम उम्र में जीतकर अपना नाम लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड 2008 में दर्ज करवाया था। उसे 2013 में वुमन एफआईडीई मास्टर के खिताब से भी सम्मानित किया गया था और इस खिताब को जीतने वाली वह हरियाणा की एकमात्र खिलाड़ी हैं। तनिष्का की उपलब्धि पर स्कूल की निदेशक रूपा चक्रवर्ती ने भी बधाई दी है। तनिष्का के पिता अजीत कोटिया की खुशियों की कोई सीमा नहीं है।

Publication	Aaj Samaj
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	01
Date	4th Aug 2019

आज समाज

तनिष्का कोटिया ने शतरंज में 5वीं एशियाई रैंक हासिल की

आज समाज नेटवर्क

गुरुग्राम। 11वीं कक्षा की छात्रा तनिष्का कोटिया ने हाल ही में सर्बिया में एक त्रिकोणीय श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन करते हुए आईएम और डब्ल्यूआईएम स्तर के खिलाड़ियों को पराजित कर स्कोर बोर्ड पर शीर्ष स्थान पर पहुंच गई। उसने अपने स्कोर में 300 प्लस अंक जोड़ते हुए एक महीने में ही उसे 1900 से 2200 तक पहुंचा दिया। अपनी उपलब्धियों में नए आयाम जोड़ते हुए तनिष्का ने अंडर-

16 में दूसरी अखिल भारतीय रैंक और एशियाड इंटरनेशनल डेस इचेस (एफआईडीई) या वर्ल्ड चेस फेडरेशन रैंकिंग में 5 वीं रैंक हासिल की है। उन्होंने शीर्ष 20 अंतरराष्ट्रीय शतरंज खिलाड़ियों में भी 19 वां स्थान हासिल किया है। वह गुरुग्राम के सनसिटी स्कूल में पढ़ती है।

किशोर छात्रों के लिए प्रेरणास्रोत रही तनिष्का ने एशियाई और राष्ट्रमंडल खेलों में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया है। वर्ष 2014 में स्कॉटलैंड में कॉमनवेल्थ शतरंज चैंपियनशिप में तनिष्का ने सिल्वर मेडल जीता था। तनिष्का ने 3 साल की उम्र से ही शतरंज खेलना शुरू कर दिया था। उसने अपना पहला पेशेवर टूर्नामेंट सबसे कम उम्र में जीतकर अपना नाम लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड 2008 में दर्ज करवाया था। उसे 2013 में वुमन एफआईडीई मास्टर के खिताब से भी सम्मानित किया गया था और इस खिताब को जीतने वाली वह हरियाणा की एकमात्र खिलाड़ी हैं।

तनिष्का की इस उपलब्धि पर अपनी बधाई संदेश में सनसिटी स्कूल की निदेशक रुपा चक्रवर्ती ने कहा कि छोटी उम्र से ही उसने लोगों को अपने खेल की तरफ आकर्षित किया है और आज वह सबके लिए प्रेरणा बन गई है। इतनी कम उम्र में यह करिश्मा करने वाली वह भारत की एक अनोखी प्रतिभा के रूप में उभरी है। आजकल लड़कियां हर जगह अपनी उपस्थिति दर्ज करवाने के साथ ही मिसाल भी कायम कर रही हैं। अपनी बेटी की उपलब्धियों के बारे में सुनकर तनिष्का के पिता अजीत कोटिया की खुशियों की कोई सीमा नहीं रही। बेटी की इस उपलब्धि पर उन्होंने कहा कि हम तनिष्का की उपलब्धियों से बहुत खुश हैं और गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं।

Publication	Sach Kahoon
Language/Frequency	Hindi/Daily
Page No	04
Date	4th Aug 2019

सच कहूँ

शतरंज का सितारा बन चमकी गुरुग्राम की तनिष्का

- तनिष्का को शतरंज में 5वीं एशियाई रैंक हासिल
- महिला वर्ग के अंडर-16 में 26वीं रैंक से सीधे पहुंची 5वीं रैंक पर
- तनिष्का वर्तमान में अंडर-16 में भारत में दूसरी राष्ट्रीय रैंक पर हैं काबिज
- विश्व में 19वीं रैंक पर है तनिष्का

गुरुग्राम (संजय मेहरा/सच कहूँ)। खेल चाहे कोई भी हो, हरियाणा की बेटियों झंडे गाड़ती ही हैं। इस बार एक बेटी ने शतरंज के खेल में अपना और देश का नाम रोशन किया है। शतरंज में उसने 5वीं एशियाई रैंक हासिल की है। जो कि अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। वह महिला वर्ग के अंडर-16 में खेलती है और इससे पूर्व उसकी रैंकिंग 26वीं थी। हम बात कर रहे हैं गुरुग्राम की तनिष्का कोटिया की, जिसने शतरंज के खेल में खुद को बेहतर साबित करते हुये देश-दुनिया में भारत का नाम रोशन किया है। तनिष्का भारत देश में दूसरी रैंकिंग पर है और विश्व की बात करें तो वह 19वीं रैंकिंग पर है। यहां के सनसिटी स्कूल में 11वीं कक्षा की छात्रा तनिष्का हाल ही में सर्बिया में एक त्रिकोणीय शृंखला में शानदार प्रदर्शन करते हुए आईएम और डब्ल्यूएआईएम स्तर के खिलाड़ियों को शिकस्त देकर स्कोर बोर्ड पर शीर्ष स्थान हासिल किया। तनिष्का ने अपने स्कोर में 300 प्लस अंक जोड़ते हुए एक महीने में ही उसे 1900 से 2200 तक पहुंचा दिया। तनिष्का ने अंडर-16 में दूसरी अखिल भारतीय रैंक और एशियाड इंटरनेशनल डेस इचेस (एफआईडीई) या वर्ल्ड चेस फेडरेशन रैंकिंग में 5वीं रैंक हासिल की है। उन्होंने शीर्ष 20 अंतरराष्ट्रीय शतरंज खिलाड़ियों में भी 19वां स्थान हासिल किया है।

किशोर छात्रों के लिए प्रेरणा स्त्रोत रही तनिष्का ने एशियाई और राष्ट्रमंडल खेलों में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया है। वर्ष-2014 में स्कॉटलैंड में कॉमनवेल्थ शतरंज चैंपियनशिप में तनिष्का ने सिल्वर मेडल जीता था। तनिष्का ने तीन साल की उम्र से ही शतरंज खेलना शुरू कर दिया था। उसने अपना पहला पेशेवर टूर्नामेंट सबसे कम उम्र में जीतकर अपना नाम लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड 2008 में दर्ज करवाया था। उसे 2013 में वुमन एफआईडीई मास्टर के खिताब से भी सम्मानित किया गया था और इस खिताब को जीतने वाली वह हरियाणा की एकमात्र खिलाड़ी हैं।

hindustantimes

https://www.hindustantimes.com/gurugram/city-girl-ranks-no-2-in-india-in-u-16-chess/story-LhjSaqqo4Ig1CW8WVXLxPO.html

Gurugram girl ranks no. 2 in India in U-16 chess

Kotia had travelled across Serbia for close to a month, playing three open tournaments in Paracin, Silver Lake and Nis.

GURUGRAM Updated: Aug 03, 2019 22:57 IST

Sharanya Munsi
Gurugram

International chess player Tanishka Kotia. She travelled across Serbia for close to a month in July, playing three open tournaments in Paracin, Silver Lake and Nis.

City girl Tanishka Kotia ranks second in the country in the under-16 category, according to the World Chess Federation that released its latest rankings on August 1, a feat she accomplished after earning over 300 points in three back-to-back world open tournaments in Serbia in July.

Kotia had travelled across Serbia for close to a month, playing three open tournaments in Paracin, Silver Lake and Nis. She played 27 rounds in total against several title-holding international players. She now ranks fifth in Asia and 19 in the world. She is the only chess player from the state to have made it to the top three in India in this category.

Kotia has been playing chess since the age of three. Her early start had landed her in the Limca Book of Records for being the youngest chess player in 2008. In 2014, she won silver at the Commonwealth Chess Championship in Scotland. In 2013, she won gold at the ASEAN chess championship, which made her a Woman FIDE Master. She has previously participated in tournaments in Indonesia, Brazil, Thailand, Vietnam, Scotland, Czech Republic and France.

For the 15-year-old student of Suncity School, striking a balance between studies and chess is crucial. She says she devotes one-and-a-half to two hours every day for chess practice.

“When exams are close, I lessen my time for chess but that is just for one or two days before the exam. Chess is like addiction, I can’t live a day without it,” she says, as her cupboard full of silver and gold plates trophies shines in the background in her Sector 30 living room.

Kotia’s next stop is the Junior World Championship in October in India. “I have got new books and am trying to master new techniques, so it is a lot of work till the championship,” she says. At the championship, she will compete against players across the world in 11 rounds.

Kotia started taking interest in chess because of her father, Ajit Kotia, who played the game at the college level. He then introduced her to the game and continues to be her mentor, though she has been receiving training from professional coaches.

Kotia is not associated with any chess federation or club. Her travel expense for tournaments is funded by her family or, sometimes, by her school, says her father. Her mother and sister had accompanied her through Serbia in July.

“Around the world, there are over 150 chess-playing nations and just 10-15 cricket-playing ones, yet there are more sponsors for cricket than chess,” says Ajit. He adds that Kotia initially received corporate sponsors, but is now without any.

For Kotia though, playing the game is all that matters, so that one day she can become a grandmaster like her idol, Vishwanathan Anand.

THE TIMES OF INDIA
CITY

https://timesofindia.indiatimes.com/city/gurgaon/gurgaon-chess-player-tanishka-kotia-breaks-into-top-20-in-u-16-world-rankings/articleshow/70512389.cms

Gurgaon chess player Tanishka Kotia breaks into top-20 in U-16 world rankings

TNN | Updated: Aug 3, 2019, 17:41 IST

A- A+

16-year-old chess prodigy from Gurgaon Tanishka Kotia, has become the first ever chess player from Haryana to enter the top 20 in the world rankings for U-16 chess players. After a spirited performance at an international meet last week, Tanishka gained 300+ Elo points and moved from 1900 to 2200 in one month. Adding to her bag of achievements, Tanishka has secured 2nd All India Rank and 5th in Asia rank in U-16 category by Fédération Internationale des Échecs (FIDE) or World Chess Federation rankings.

Tanishka, a Class XI student of Suncity School, Sector 54, has represented India in Asian and Commonwealth Games, winning a Silver Medal in Commonwealth Chess Championship at Scotland in 2014. An overwhelmed Tanishka said, “Chess is my passion and I have really worked hard to achieve this rank. I feel great and motivated to achieve more such milestones, to be the Rank-1 player in the world. My dad is my inspiration, he engraved this passion for chess in me.” Tanishka is now preparing for the World Junior Chess Championship 2019, for which she had qualified last year.

https://www.prokerala.com/news/photos/free-photo-tanishka-kotia-1275823.html

Free Photo: Tanishka Kotia

Published on Sat, Aug 3 2019 19:30 IST | 14 Views

Tanishka Kotia, the 5th Asia Rank holder in female U-16 category.

2 / 3
Aleksandar M
POPOVIĆ

3 / 3
1

UNI BREVITY ACCURACY SPEED यूनीवार्ता भारत की अग्रणी संवाद समिति
Monday, Aug 5 2019 | Time 12:53 Hrs(IST)

http://www.univarta.com/tanishka-of-gurugram-gets-5th-asian-rank-in-chess-under-16-category/sports/news/1687689.html

गुरुग्राम की तनिष्का को शतरंज के अंडर-16 वर्ग में 5वीं एशियाई रैंक

नयी दिल्ली, 03 अगस्त (वार्ता) गुरुग्राम के सनसिटी स्कूल की 11वीं कक्षा की छात्रा तनिष्का कोटिया ने अंडर-16 में दूसरी अखिल भारतीय रैंक और एशियाड इंटरनेशनल डेस इचेस (एफआईडीई) या वर्ल्ड चेस फेडरेशन रैंकिंग में 5वीं रैंक हासिल की है। उन्होंने शीर्ष 20 अंतरराष्ट्रीय शतरंज खिलाड़ियों में भी 19वां स्थान हासिल किया है।

तनिष्का हाल ही में सर्बिया में एक त्रिकोणीय श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन करते हुए आईएम और डब्ल्यूआईएम स्तर के खिलाड़ियों को पराजित कर स्कोरबोर्ड पर शीर्ष स्थान पर पहुंची थीं। उन्होंनेअपने स्कोर में 300 प्लस अंक जोड़ते हुए एक महीने में ही उसे 1900 से 2200 तक पहुँचा दिया।

तनिष्का ने एशियाई और राष्ट्रमंडल खेलों में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया है। वर्ष 2014 में स्कॉटलैंड में कॉमनवेल्थ शतरंज चैंपियनशिप में तनिष्का ने सिल्वर मेडल जीता था। तनिष्का ने 3 साल की उम्र से ही शतरंज खेलना शुरू कर दिया था। उसने अपना पहला पेशेवर टूर्नामेंट सबसे कम उम्र में जीतकर अपना नाम लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड 2008 में दर्ज करवाया था। उसे 2013 में 'वुमन एफआईडीई मास्टर' के खिताब से भी सम्मानित किया गया था और इस खिताब को जीतने वाली वह हरियाणा की एकमात्र खिलाड़ी हैं।

उसने अबतक कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया है जैसे इंडोनेशिया, ब्राजील, थाईलैंड, वियतनाम, स्कॉटलैंड, चेक गणराज्य, फ्रांस और हाल में सर्बिया में। पिछले साल उसने फ्रांस में पहला पुरस्कार जीता था। वर्तमान में उसके नाम 50 पदक हैं और अगस्त 2019 की रैंकिंग के अनुसार उसकी एफआईडीई रेटिंग 2164 है।

अपनी बेटी की उपलब्धियों पर तनिष्का के पिता अजीत कोटिया ने कहा, "हम तनिष्का की उपलब्धियों से बहुत खुश हैं और गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। वह शतरंज और अपनी पढ़ाई दोनों को लेकर सजग है और दोनों ही जगह पूरे लगन से मेहनत करती है। उसने अपनी पढ़ाई और शतरंज के प्रति अपने जुनून के बीच बेहतर संतुलन बनाए रखा है। इसी का परिणाम है कि उसने अपनी कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षा में आशा के अनुरूप प्रदर्शन किया। हम सनसिटी स्कूल और उसके सभी शिक्षकों के आभारी हैं कि उन्होंने इन सपनों को पूरा करने में तनिष्का की हर संभव मदद की है।"

तनिष्का ने 6 साल की उम्र में ही अंतर्राष्ट्रीय फिडे रेटिंग हासिल कर ली थी, जबकि इस उम्र में मैग्नस कार्लसन, विश्वनाथन आनंद जैसे अधिकांश नामी खिलाड़ी शतरंज सीख ही रहे थे। वर्ष 2010 में तनिष्का ने राष्ट्रीय अंडर 7 प्रतियोगिता में भाग लिया और कांस्य पदक विजेता रही। फिर उसका चयन राष्ट्रीय टीम में हुआ और वर्ष 2011 में ब्राजील में वर्ल्ड अंडर 8 में उसने भाग लिया। इसके बाद से वह लगातार अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट / चैम्पियनशिप में भाग लेती रही और वर्ष 2013 में थाईलैंड में स्वर्ण पदक के साथ डब्ल्यूएफएम (महिला एफआईडीई मास्टर) खिताब जीता।

तनिष्का ने ,"शतरंज के लिए मेरे अंदर एक जुनून है। मैंने इसके लिए कड़ी मेहनत की है और इसी का परिणाम है कि मैं राष्ट्रीय स्तर पर दूसरी और एशिया में 5वीं रैंकिंग हासिल कर पाई हूँ। मैं बहुत उत्साहित हूँ और अब विश्व में नंबर एक बनने के लिए मेहनत करूंगी। मेरे पिता ही मेरे प्रेरणास्रोत हैं, उन्होंने चेस के प्रति मेरे जुनून को सराहा और हर कदम पर मेरा साथ दिया।"

पिछले साल तनिष्का को विश्व जूनियर शतरंज चैम्पियनशिप 2019 के लिए चुना गया था और वह इस टूर्नामेंट को जीतने के लिए कड़ी मेहनत कर रही हैं।

NewsDog

https://www.newsdogapp.com/hi/article/5d45b073d7498a7e1bf832db/?d=false

शतरंज : तनिष्का कोटिया को अंडर-16 में 5वीं एशियाई रैंक

Pune Samachar 1 दिन पहले

नई दिल्ली/गुरुग्राम, 3 अगस्त (आईएएनएस)| सनसिटी स्कूल की 11वीं कक्षा की छात्रा तनिष्का कोटिया हाल ही में सर्बिया में एक त्रिकोणीय श्रंखला में शानदार प्रदर्शन करते हुए आईएम और डब्ल्यूआईएम स्तर के खिलाड़ियों को पराजित कर स्कोर बोर्ड पर शीर्ष स्थान पर पहुंच गईं। तनिष्का अपने स्कोर में 300-अंक जोड़ते हुए एक महीने में ही 1900 से 2200 तक पहुंच गईं। अपनी उपलब्धियों के चलते तनिष्का ने अंडर-16 में दूसरी अखिल भारतीय रैंक और एशियाड इंटरनेशनल डेस इचेस रैंकिंग में 5वीं रैंक हासिल की। उन्होंने शीर्ष 20 अंतर्राष्ट्रीय शतरंज खिलाड़ियों में भी 19वां स्थान हासिल किया।

तनिष्का ने 2014 में स्कॉटलैंड में कॉमनवेल्थ शतरंज चैंपियनशिप में रजत पदक जीता था। उन्होंने अपना पहला पेशेवर टूर्नामेंट सबसे कम उम्र में जीतकर लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड 2008 में अपना नाम दर्ज करवाया था।

वर्तमान में तनिष्का के नाम 50 पदक हैं और अगस्त 2019 की रैंकिंग के अनुसार उनकी एफआईडीई रेटिंग 2164 है।

तनिष्का ने कहा, "शतरंज के लिए मेरे अंदर एक जुनून है। मैंने इसके लिए कड़ी मेहनत की है और इसी का परिणाम है कि मैं राष्ट्रीय स्तर पर दूसरी और एशिया में 5वीं रैंकिंग हासिल कर पाई हूं। मैं बहुत उत्साहित हूं और अब विश्व में नंबर एक बनने के लिए मेहनत करूंगी। मेरे पिता ही मेरे प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने चेस के प्रति मेरे जुनून को सराहा और हर कदम पर मेरा साथ दिया।"

आईएएनएस

'नवाज शरीफ ने कानून बनाकर धन सौदे को आसान कर दिया था' (20:30)

इस्लामाबाद, 3 अगस्त (आईएएनएस)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के विशेष सहयोगी शहजाद अकबर ने आरोप लगाया है कि नवाज शरीफ परिवार ने 1990 के दशक में ऐसे कानून बनवाए, जिससे धनशोधन (मनी लॉन्ड्रिंग) करना आसान हो गया। यह जानकारी जियो न्यूज ने दी।

.....

शतरंज : तनिष्का कोटिया को अंडर-16 में 5वीं एशियाई रैंक (20:26)

नई दिल्ली/गुरुग्राम, 3 अगस्त (आईएएनएस)। सनसिटी स्कूल की 11वीं कक्षा की छात्रा तनिष्का कोटिया हाल ही में सर्बिया में एक त्रिकोणीय श्रंखला में शानदार प्रदर्शन करते हुए आईएम और डब्ल्यूआईएम स्तर के खिलाड़ियों को पराजित कर स्कोर बोर्ड पर शीर्ष स्थान पर पहुंच गईं।

https://hindi.thequint.com/hot-news/shtrnj-tnisskaa-kottiyaa-ko-anddr-16-men-5viin-eshiyaaii-raink

शतरंज : तनिष्का कोटिया को अंडर-16 में 5वीं एशियाई रैंक

IANS | 1 DAY AGO

अभी - अभी 1 मिनट

नई दिल्ली/गुरुग्राम, 3 अगस्त (आईएएनएस)| सनसिटी स्कूल की 11वीं कक्षा की छात्रा तनिष्का कोटिया हाल ही में सर्बिया में एक त्रिकोणीय श्रंखला में शानदार प्रदर्शन करते हुए आईएम और डब्ल्यूआईएम स्तर के खिलाड़ियों को पराजित कर स्कोर बोर्ड पर शीर्ष स्थान पर पहुंच गईं। तनिष्का अपने स्कोर में 300-अंक जोड़ते हुए एक महीने में ही 1900 से 2200 तक पहुंच गईं। अपनी उपलब्धियों के चलते तनिष्का ने अंडर-16 में दूसरी अखिल भारतीय रैंक और एशियाड इंटरनेशनल डेस इचेस रैंकिंग में 5वीं रैंक हासिल की। उन्होंने शीर्ष 20 अंतर्राष्ट्रीय शतरंज खिलाड़ियों में भी 19वां स्थान हासिल किया।

तनिष्का ने 2014 में स्कॉटलैंड में कॉमनवेल्थ शतरंज चैंपियनशिप में रजत पदक जीता था। उन्होंने अपना पहला पेशेवर टूर्नामेंट सबसे कम उम्र में जीतकर लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड 2008 में अपना नाम दर्ज करवाया था।

वर्तमान में तनिष्का के नाम 50 पदक हैं और अगस्त 2019 की रैंकिंग के अनुसार उनकी एफआईडीई रेटिंग 2164 है।

तनिष्का ने कहा, "शतरंज के लिए मेरे अंदर एक जुनून है। मैंने इसके लिए कड़ी मेहनत की है और इसी का परिणाम है कि मैं राष्ट्रीय स्तर पर दूसरी और एशिया में 5वीं रैंकिंग हासिल कर पाई हूं। मैं बहुत उत्साहित हूं और अब विश्व में नंबर एक बनने के लिए मेहनत करूंगी। मेरे पिता ही मेरे प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने चेस के प्रति मेरे जुनून को सराहा और हर कदम पर मेरा साथ दिया।"

NewsOnFloor
One place for all news stories...

https://newsonfloor.com/hindi-news-detail/661600-69747.htm

शतरंज : तनिष्का कोटिया को अंडर-16 में 5वीं एशियाई रैंक

By IANS Team -- Aug 03, 2019 -- 24 Views

तनिष्का अपने स्कोर में 300-अंक जोड़ते हुए एक महीने में ही 1900 से 2200 तक पहुंच गईं। अपनी उपलब्धियों के चलते तनिष्का ने अंडर-16 में दूसरी अखिल भारतीय रैंक और एशियाड इंटरनेशनल डेस इचेस रैंकिंग में 5वीं रैंक हासिल की। उन्होंने शीर्ष 20 अंतर्राष्ट्रीय शतरंज खिलाड़ियों में भी 19वां स्थान हासिल किया।

तनिष्का ने 2014 में स्कॉटलैंड में कॉमनवेल्थ शतरंज चैंपियनशिप में रजत पदक जीता था। उन्होंने अपना पहला पेशेवर टूर्नामेंट सबसे कम उम्र में जीतकर लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड 2008 में अपना नाम दर्ज करवाया था।

वर्तमान में तनिष्का के नाम 50 पदक हैं और अगस्त 2019 की रैंकिंग के अनुसार उनकी एफआईडीई रेटिंग 2164 है।

तनिष्का ने कहा, शतरंज के लिए मेरे अंदर एक जुनून है। मैंने इसके लिए कड़ी मेहनत की है और इसी का परिणाम है कि मैं राष्ट्रीय स्तर पर दूसरी और एशिया में 5वीं रैंकिंग हासिल कर पाई हूं। मैं बहुत उत्साहित हूं और अब विश्व में नंबर एक बनने के लिए मेहनत करूंगी। मेरे पिता ही मेरे प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने चेस के प्रति मेरे जुनून को सराहा और हर कदम पर मेरा साथ दिया।

--आईएएनएस

ETV BHARAT मध्य प्रदेश
MADHYA PRADESH

https://webcache.googleusercontent.com/search?q=cache:2hC6X6EWEOoJ:https://www.etvbharat.com/hindi/madhya-pradesh/sports/other-sports/issf-world-cup-apurvi-chandela-won-gold-medal-1-1/na20190526193400401+&cd=6&hl=en&ct=clnk&gl=in

तनिष्का कोटिया ने अंडर-16 में हासिल की 5वीं एशियाई रैंक

भारतीय जूनियर शतरंज खिलाड़ी तनिष्का कोटिया सर्बिया में त्रिकोणीय श्रंखला में शानदार प्रदर्शन करते हुए आईएम और डब्ल्यूआईएम स्तर में शीर्ष स्थान पर पहुंच गईं.

नई दिल्ली : सनसिटी स्कूल की 11वीं कक्षा की छात्रा तनिष्का कोटिया हाल ही में सर्बिया में एक त्रिकोणीय श्रंखला में शानदार प्रदर्शन करते हुए आईएम और डब्ल्यूआईएम स्तर के खिलाड़ियों को पराजित कर स्कोर बोर्ड पर शीर्ष स्थान पर पहुंच गईं. तनिष्का अपने स्कोर में 300-अंक जोड़ते हुए एक महीने में ही 1900 से 2200 तक पहुंच गईं. अपनी उपलब्धियों के चलते तनिष्का ने अंडर-16 में दूसरी अखिल भारतीय रैंक और एशियाड इंटरनेशनल डेस इचेस रैंकिंग में 5वीं रैंक हासिल की. उन्होंने शीर्ष 20 अंतरराष्ट्रीय शतरंज खिलाड़ियों में भी 19वां स्थान हासिल किया.

तनिष्का ने 2014 में स्कॉटलैंड में कॉमनवेल्थ शतरंज चैंपियनशिप में रजत पदक जीता था. उन्होंने अपना पहला पेशेवर टूर्नामेंट सबसे कम उम्र में जीतकर लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड 2008 में अपना नाम दर्ज कराया था.

तनिष्का कोटिया

वर्तमान में तनिष्का के नाम 50 पदक हैं और अगस्त 2019 की रैंकिंग के अनुसार उनकी एफआईडीई रेटिंग 2164 है.

तनिष्का ने कहा, "शतरंज के लिए मेरे अंदर एक जुनून है. मैंने इसके लिए कड़ी मेहनत की है और इसी का परिणाम है कि मैं राष्ट्रीय स्तर पर दूसरी और एशिया में 5वीं रैंकिंग हासिल कर पाई हूं. मैं बहुत उत्साहित हूं और अब विश्व में नंबर एक बनने के लिए मेहनत करूंगी. मेरे पिता ही मेरे प्रेरणास्रोत हैं. उन्होंने चेस के प्रति मेरे जुनून को सराहा और हर कदम पर मेरा साथ दिया है."

https://hindi.newsd.in/shtrnj-tniskaa-kotiyaa-ko-andr-16-men-5vin-eshiyaaee-raink/

शतरंज : तनिष्का कोटिया को अंडर-16 में 5वीं एशियाई रैंक

Published : 03 Aug 2019 at 9:28 PM IST

By: *आईएएनएस*

नई दिल्ली/गुरुग्राम, 3 अगस्त (आईएएनएस)| सनसिटी स्कूल की 11वीं कक्षा की छात्रा तनिष्का कोटिया हाल ही में सर्बिया में एक त्रिकोणीय श्रंखला में शानदार प्रदर्शन करते हुए आईएम और डब्ल्यूआईएम स्तर के खिलाड़ियों को पराजित कर स्कोर बोर्ड पर शीर्ष स्थान पर पहुंच गईं। तनिष्का अपने स्कोर में 300-अंक जोड़ते हुए एक महीने में ही 1900 से 2200 तक पहुंच गईं। अपनी उपलब्धियों के चलते तनिष्का ने अंडर-16 में दूसरी अखिल भारतीय रैंक और एशियाड इंटरनेशनल डेस इचेस रैंकिंग में 5वीं रैंक हासिल की। उन्होंने शीर्ष 20 अंतर्राष्ट्रीय शतरंज खिलाड़ियों में भी 19वां स्थान हासिल किया।

तनिष्का ने 2014 में स्कॉटलैंड में कॉमनवेल्थ शतरंज चैंपियनशिप में रजत पदक जीता था। उन्होंने अपना पहला पेशेवर टूर्नामेंट सबसे कम उम्र में जीतकर लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड 2008 में अपना नाम दर्ज करवाया था।

वर्तमान में तनिष्का के नाम 50 पदक हैं और अगस्त 2019 की रैंकिंग के अनुसार उनकी एफआईडीई रेटिंग 2164 है।

तनिष्का ने कहा, "शतरंज के लिए मेरे अंदर एक जुनून है। मैंने इसके लिए कड़ी मेहनत की है और इसी का परिणाम है कि मैं राष्ट्रीय स्तर पर दूसरी और एशिया में 5वीं रैंकिंग हासिल कर पाई हूं। मैं बहुत उत्साहित हूं और अब विश्व में नंबर एक बनने के लिए मेहनत करूंगी। मेरे पिता ही मेरे प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने चेस के प्रति मेरे जुनून को सराहा और हर कदम पर मेरा साथ दिया।"

NBT
नवभारत टाइम्स
गुड़गांव समाचार

https://navbharattimes.indiatimes.com/state/punjab-and-haryana/gurgaon/11th-student-got-5th-rank-in-world-chess-federation/articleshow/70514102.cms

11वीं की छात्रा को वर्ल्ड चेस फेडरेशन में मिली 5वीं रैंकिंग मिली

सनसिटी स्कूल में पढ़ने वाली 11वीं की छात्रा तनिष्का कोटिया ने सर्बिया में आयोजित वर्ल्ड चेस फेडरेशन में 5वीं रैंक हासिल की। 20 अंतराराष्ट्रीय शतरंज ...

Navbharat Times | Updated: 04 Aug 2019, 08:00:00 AM IST

SUBSCRIBE NEWSLETTER

एनबीटी न्यूज, गुड़गांव : सनसिटी स्कूल में पढ़ने वाली 11वीं की छात्रा तनिष्का कोटिया ने सर्बिया में आयोजित वर्ल्ड चेस फेडरेशन में 5वीं रैंक हासिल की। 20 अंतराराष्ट्रीय शतरंज खिलाड़ियों में 19वां स्थान हासिल किया। इससे पहले वह साल 2014 में स्कॉटलैंड में आयोजित कॉमनवेल्थ शतरंज चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीत चुकी हैं। साल 2013 में वुमन एफआईडीई मास्टर के खिताब से भी सम्मानित किया जा चुका है। यह खिताब वाली हरियाणा की एकमात्र खिलाड़ी है। सनसिटी स्कूल की निदेशक रुपा चक्रवर्ती ने कहा कि छोटी उम्र से ही कनिष्का ने लोगों को अपने खेल की तरफ आकर्षित किया है। इतनी कम उम्र में यह करिश्मा करने वाली वह भारत की एक अनोखी प्रतिभा के रूप में उभरी हैं।

RTI NEWS
आपकी आवाज,आपका अधिकार
Monday, August 5, 2019 | 1:00:04 PM

http://www.rtinews.net/news/sports/rtinews-650701/231574.html

शतरंज : तनिष्का कोटिया को अंडर-16 में 5वीं एशियाई रैंक

Saturday, August 3, 2019 21:28:13 PM , Viewed: 54

नई दिल्ली/गुरुग्राम, 3 अगस्त। सनसिटी स्कूल की 11वीं कक्षा की छात्रा तनिष्का कोटिया हाल ही में सर्बिया में एक त्रिकोणीय श्रंखला में शानदार प्रदर्शन करते हुए आईएम और डब्ल्यूआईएम स्तर के खिलाड़ियों को पराजित कर स्कोर बोर्ड पर शीर्ष स्थान पर पहुंच गईं। तनिष्का अपने स्कोर में 300-अंक जोड़ते हुए एक महीने में ही 1900 से 2200 तक पहुंच गईं। अपनी उपलब्धियों के चलते तनिष्का ने अंडर-16 में दूसरी अखिल भारतीय रैंक और एशियाड इंटरनेशनल डेस इचेस रैंकिंग में 5वीं रैंक हासिल की। उन्होंने शीर्ष 20 अंतर्राष्ट्रीय शतरंज खिलाड़ियों में भी 19वां स्थान हासिल किया।

तनिष्का ने 2014 में स्कॉटलैंड में कॉमनवेल्थ शतरंज चैंपियनशिप में रजत पदक जीता था। उन्होंने अपना पहला पेशेवर टूर्नामेंट सबसे कम उम्र में जीतकर लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड 2008 में अपना नाम दर्ज करवाया था।

वर्तमान में तनिष्का के नाम 50 पदक हैं और अगस्त 2019 की रैंकिंग के अनुसार उनकी एफआईडीई रेटिंग 2164 है।

तनिष्का ने कहा, "शतरंज के लिए मेरे अंदर एक जुनून है। मैंने इसके लिए कड़ी मेहनत की है और इसी का परिणाम है कि मैं राष्ट्रीय स्तर पर दूसरी और एशिया में 5वीं रैंकिंग हासिल कर पाई हूं। मैं बहुत उत्साहित हूं और अब विश्व में नंबर एक बनने के लिए मेहनत करूंगी। मेरे पिता ही मेरे प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने चेस के प्रति मेरे जुनून को सराहा और हर कदम पर मेरा साथ दिया।"

दैनिक दबंग दुनिया
निष्पक्ष नज़र, निष्पक्ष खबर

http://dabangdunia.in/news/sport/story/132128.html

Sport

गुरुग्राम की तनिष्का को शतरंज के अंडर-16 वर्ग में 5वीं एशियाई रैंक

By Dabangdunia News Service | Publish Date: Aug 4 2019 12:44AM | Updated Date: Aug 4 2019 12:44AM

facebook twitter Google+ LinkedIn

नई दिल्ली। गुरुग्राम के सनसिटी स्कूल की 11वीं कक्षा की छात्रा तनिष्का कोटिया ने अंडर-16 में दूसरी अखिल भारतीय रैंक और एशियाड इंटरनेशनल डेस इचेस (एफआईडीई) या वर्ल्ड चेस फेडरेशन रैंकिंग में 5वीं रैंक हासिल की है। उन्होंने शीर्ष 20 अंतरराष्ट्रीय शतरंज खिलाड़ियों में भी 19वां स्थान हासिल किया है। तनिष्का हाल ही में सर्बिया में एक त्रिकोणीय श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन करते हुए आईएम और डब्ल्यूआईएम स्तर के खिलाड़ियों को पराजित कर स्कोरबोर्ड पर शीर्ष स्थान पर पहुंची थीं। उन्होंनेअपने स्कोर में 300 प्लस अंक जोड़ते हुए एक महीने में ही उसे 1900 से 2200 तक पहुँचा दिया। तनिष्का ने एशियाई और राष्ट्रमंडल खेलों में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया है। वर्ष 2014 में स्कॉटलैंड में कॉमनवेल्थ शतरंज चैंपियनशिप में तनिष्का ने सिल्वर मेडल जीता था। तनिष्का ने 3 साल की उम्र से ही शतरंज खेलना शुरू कर दिया था। उसने अपना पहला पेशेवर टूर्नामेंट सबसे कम उम्र में जीतकर अपना नाम लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड 2008 में दर्ज करवाया था। उसे 2013 में 'वुमन एफआईडीई मास्टर' के खिताब से भी सम्मानित किया गया था और इस खिताब को जीतने वाली वह हरियाणा की एकमात्र खिलाड़ी हैं।

उसने अबतक कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया है जैसे इंडोनेशिया, ब्राजील, थाईलैंड, वियतनाम, स्कॉटलैंड, चेक गणराज्य, फ्रांस और हाल में सर्बिया में। पिछले साल उसने फ्रांस में पहला पुरस्कार जीता था। वर्तमान में उसके नाम 50 पदक हैं और अगस्त 2019 की रैंकिंग के अनुसार उसकी एफआईडीई रेटिंग 2164 है। अपनी बेटी की उपलब्धियों पर तनिष्का के पिता अजीत कोटिया ने कहा, ''हम तनिष्का की उपलब्धियों से बहुत खुश हैं और गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। वह शतरंज और अपनी पढ़ाई दोनों को लेकर सजग है और दोनों ही जगह पूरे लगन से मेहनत करती है। उसने अपनी पढ़ाई और शतरंज के प्रति अपने जुनून के बीच बेहतर संतुलन बनाए रखा है। इसी का परिणाम है कि उसने अपनी कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षा में आशा के अनुरूप प्रदर्शन किया। हम सनसिटी स्कूल और उसके सभी शिक्षकों के आभारी हैं कि उन्होंने इन सपनों को पूरा करने में तनिष्का की हर संभव मदद की है।'' तनिष्का ने 6 साल की उम्र में ही अंतर्राष्ट्रीय फिडे रेटिंग हासिल कर ली थी, जबकि इस उम्र में मैग्नस कार्लसन, विश्वनाथन आनंद जैसे अधिकांश नामी खिलाड़ी शतरंज सीख ही रहे थे।

वर्ष 2010 में तनिष्का ने राष्ट्रीय अंडर 7 प्रतियोगिता में भाग लिया और कांस्य पदक विजेता रही। फिर उसका चयन राष्ट्रीय टीम में हुआ और वर्ष 2011 में ब्राजील में वर्ल्ड अंडर 8 में उसने भाग लिया। इसके बाद से वह लगातार अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट / चैम्पियनशिप में भाग लेती रही और वर्ष 2013 में थाईलैंड में स्वर्ण पदक के साथ डब्ल्यूएफएम (महिला एफआईडीई मास्टर) खिताब जीता। तनिष्का ने ,''शतरंज के लिए मेरे अंदर एक जुनून है। मैंने इसके लिए कड़ी मेहनत की है और इसी का परिणाम है कि मैं राष्ट्रीय स्तर पर दूसरी और एशिया में 5वीं रैंकिंग हासिल कर पाई हूँ। मैं बहुत उत्साहित हूँ और अब विश्व में नंबर एक बनने के लिए मेहनत करूंगी। मेरे पिता ही मेरे प्रेरणास्रोत हैं, उन्होंने चेस के प्रति मेरे जुनून को सराहा और हर कदम पर मेरा साथ दिया।''पिछले साल तनिष्का को विश्व जूनियर शतरंज चैम्पियनशिप 2019 के लिए चुना गया था और वह इस टूर्नामेंट को जीतने के लिए कड़ी मेहनत कर रही हैं।

https://m.dailyhunt.in/news/india/hindi/rtinews-epaper-rtin/shataranj+tanishka+kotiya+ko+andar+16+me+5vi+eshiyai+raink-newsid-128826844

शतरंज : तनिष्का कोटिया को अंडर-16 में 5वीं एशियाई रैंक

नई दिल्ली/गुरुग्राम, 3 अगस्त | सनसिटी स्कूल की 11वीं कक्षा की छात्रा तनिष्का कोटिया हाल ही में सर्बिया में एक त्रिकोणीय श्रंखला में शानदार प्रदर्शन करते हुए आईएम और डब्ल्यूआईएम स्तर के खिलाड़ियों को पराजित कर स्कोर बोर्ड पर शीर्ष स्थान पर पहुंच गईं। तनिष्का अपने स्कोर में 300-अंक जोड़ते हुए एक महीने में ही 1900 से 2200 तक पहुंच गईं। अपनी उपलब्धियों के चलते तनिष्का ने अंडर-16 में दूसरी अखिल भारतीय रैंक और एशियाड इंटरनेशनल डेस इचेस रैंकिंग में 5वीं रैंक हासिल की। उन्होंने शीर्ष 20 अंतर्राष्ट्रीय शतरंज खिलाड़ियों में भी 19वां स्थान हासिल किया।

तनिष्का ने 2014 में स्कॉटलैंड में कॉमनवेल्थ शतरंज चैंपियनशिप में रजत पदक जीता था। उन्होंने अपना पहला पेशेवर टूर्नामेंट सबसे कम उम्र में जीतकर लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड 2008 में अपना नाम दर्ज करवाया था।

वर्तमान में तनिष्का के नाम 50 पदक हैं और अगस्त 2019 की रैंकिंग के अनुसार उनकी एफआईडीई रेटिंग 2164 है।

तनिष्का ने कहा, "शतरंज के लिए मेरे अंदर एक जुनून है। मैंने इसके लिए कड़ी मेहनत की है और इसी का परिणाम है कि मैं राष्ट्रीय स्तर पर दूसरी और एशिया में 5वीं रैंकिंग हासिल कर पाई हूं। मैं बहुत उत्साहित हूं और अब विश्व में नंबर एक बनने के लिए मेहनत करूंगी। मेरे पिता ही मेरे प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने चेस के प्रति मेरे जुनून को सराहा और हर कदम पर मेरा साथ दिया।"

http://www.kharinews.com/sports/%E0%A4%B6%E0%A4%A4%E0%A4%B0%E0%A4%82%E0%A4%9C-%E0%A4%A4%E0%A4%A8%E0%A4%BF%E0%A4%B7%E0%A5%8D%E0%A4%95%E0%A4%BE-%E0%A4%95%E0%A5%8B%E0%A4%9F%E0%A4%BF%E0%A4%AF%E0%A4%BE-%E0%A4%95%E0%A5%8B-%E0%A4%85%E0%A4%82%E0%A4%A1%E0%A4%B0-16-%E0%A4%AE%E0%A5%87%E0%A4%82-5%E0%A4%B5%E0%A5%80%E0%A4%82-%E0%A4%8F%E0%A4%B6%E0%A4%BF%E0%A4%AF%E0%A4%BE%E0%A4%88-%E0%A4%B0%E0%A5%88%E0%A4%82%E0%A4%95

शतरंज : तनिष्का कोटिया को अंडर-16 में 5वीं एशियाई रैंक

Breaking News ं कश्मीर पर केंद्र के कदम का विरोध करेगी द्रमुक सुप्र

Aug 03 2019

नई दिल्ली/गुरुग्राम, 3 अगस्त (आईएएनएस)। सनसिटी स्कूल की 11वीं कक्षा की छात्रा तनिष्का कोटिया हाल ही में सर्बिया में एक त्रिकोणीय श्रंखला में शानदार प्रदर्शन करते हुए आईएम और डब्ल्यूआईएम स्तर के खिलाड़ियों को पराजित कर स्कोर बोर्ड पर शीर्ष स्थान पर पहुंच गईं।

तनिष्का अपने स्कोर में 300-अंक जोड़ते हुए एक महीने में ही 1900 से 2200 तक पहुंच गईं। अपनी उपलब्धियों के चलते तनिष्का ने अंडर-16 में दूसरी अखिल भारतीय रैंक और एशियाड इंटरनेशनल डेस इचेस रैंकिंग में 5वीं रैंक हासिल की। उन्होंने शीर्ष 20 अंतर्राष्ट्रीय शतरंज खिलाड़ियों में भी 19वां स्थान हासिल किया।

तनिष्का ने 2014 में स्कॉटलैंड में कॉमनवेल्थ शतरंज चैंपियनशिप में रजत पदक जीता था। उन्होंने अपना पहला पेशेवर टूर्नामेंट सबसे कम उम्र में जीतकर लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड 2008 में अपना नाम दर्ज करवाया था।

वर्तमान में तनिष्का के नाम 50 पदक हैं और अगस्त 2019 की रैंकिंग के अनुसार उनकी एफआईडीई रेटिंग 2164 है।

तनिष्का ने कहा, "शतरंज के लिए मेरे अंदर एक जुनून है। मैंने इसके लिए कड़ी मेहनत की है और इसी का परिणाम है कि मैं राष्ट्रीय स्तर पर दूसरी और एशिया में 5वीं रैंकिंग हासिल कर पाई हूं। मैं बहुत उत्साहित हूं और अब विश्व में नंबर एक बनने के लिए मेहनत करूंगी। मेरे पिता ही मेरे प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने चेस के प्रति मेरे जुनून को सराहा और हर कदम पर मेरा साथ दिया।"